अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और पिछड़े वर्गों के विकास के लिये राज्यों को सहायता

2291. **श्री रामजी लाल** : क्या कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और पिछड़े वर्गों के विकास के लिए विशेष केन्द्रीय सहायता और केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं के अर्न्तगत राज्यों को, राज्य-वार और वर्ष-वार कितनी-कितनी सहायता राशि प्रदान की गई है ;

(ख) उक्त योजनाओं के अधीन कार्यान्वित की गई योजनाओं का ब्यौरा क्या है और उन पर राज्य-वार, कितनी राशि व्यय की गयी है ; और

(ग) वर्ष 1993–94 के लिये इन कार्यक्रमों हेतु राज्यों को कितनी राशि आबंटित किये जाने की सम्भावना है ?

कल्याण मंत्री (श्री सीता राम केसरी) : (क) से (ग) विवरण अनुपत्र के रूप में सभा पटल पर रख दिया गया है । [देखिए परिशिष्ट 166, अनुपत्र संख्या 45]

12.00 NOON

STATEMENT BY MINISTER

Correcting the reply given in the Rajya Sabha on the 11th December, 1992 to Unstarred Question 3012 regarding increase in the old age Pension

MR. CHAIRMAN: Now, Statement by Minister correcting answer to question.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WELFARE (SHRI K. V. THANGKA BALU): I lay on the Table a statement (in English and Hindi) correcting the reply given in the Rajya Sabha on the 11th December, 1992 to Unstarred Question 3012 regarding increase in the old age pension. [Placed in Library. *See* No. LT. 3567/93]

(*Interruptions*)

(THE VICE-HAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) IN THE CHAIR)

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR (Uttar Pradesh): Sir, I have a point of order. (*Interruptions*). Sir, I have a point of order on this statement.

श्रीमन्, यह देखा गया है कि हमेशा मंत्री महीनों बाद करक्शंस करते हैं । प्रथमत: तो मैं चाहूंगा कि क्या आपके पास मंत्री जी की लिखित अनुमति है । दूसरे, यह उत्तर 11 दिसम्बर, 92 को दिया गया था । तब 10–12 दिन तक सैशन चलता रहा और आज भी इतने दिन हो गए । ऐसा बार-बार एक ही मंत्री नहीं जितने भी आज मंत्रिमंडल के लोग हैं, वह अनायास करक्शंस करते हैं । तो मैं चाहूंगा कि आप निर्देश दे दें । अब्बल तो आवश्यकता ही नहीं पड़े... (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Mathurji, kindly hear me.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: Why can't they give the right answer? Every week there is a statement by Minister correcting answer to question and that too after months.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Mathurji, kindly hear me. Already the Minister has written to the Chairman and the Chairman has given permission.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: This practice of giving wrong answers should be avoided.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Hon. Chairman has already given permission.